



आज मैं जवान हो गई हूँ- 2

“हॉट वर्जिन चूत की चुदाई करवाई उसी की भाभी ने.
असल में उस कमसिन लड़की ने अपनी भाभी को गैर
मर्द के साथ रंगे हाथ पकड़ लिया था. तो भाभी ने क्या
किया ? ...”

Story By: माधुरी सिंह मदहोश (madhuri3)

Posted: Sunday, February 18th, 2024

Categories: [जवान लड़की](#)

Online version: [आज मैं जवान हो गई हूँ- 2](#)

आज मैं जवान हो गई हूँ- 2

हॉट वर्जिन चूत की चुदाई करवाई उसी की भाभी ने. असल में उस कमसिन लड़की ने अपनी भाभी को गैर मर्द के साथ रंगे हाथ पकड़ लिया था. तो भाभी ने क्या किया ?

कहानी के पहले भाग

ननद ने भाभी को गैर मर्द के साथ नंगी पकड़ा

मैं आपने पढ़ा कि एक दिन के लिए रंडी बनने की ख्वाहिश रखने वाली हया धीरे-धीरे सफेदपोश रंडी बनकर नकद या कीमती गिफ्ट लेकर, नए नए लंड से चुदवाने लगती है। ऐसे ही एक दिन उसका रईस आशिक दिलावर उसके साथ रंगरेलियां मना रहा होता है कि तभी अचानक दरवाजा खुलता है.

वे दोनों चौंक कर देखते हैं कि सामने हया की ननद जास्मिन खड़ी है.

वह हया को बहुत गुस्से में अपने भाई जान से शिकायत करने की धमकी देने लगी।

अब आगे हॉट वर्जिन चूत की चुदाई :

हया गिड़गिड़ाती हुई जास्मिन को मनाने, हाथ जोड़ती हुई उसके नज़दीक पहुंची और अचानक बिजली की तेज़ी से, उसे पीछे से कस के पकड़ लिया और कहा- मादरचोद कुतिया, तू मेरे शौहर को तब बताएंगी न ? जब मैं तुझे बताने लायक छोड़ूंगी। तू जानती नहीं कि मैं कितनी बड़ी छिनाल हूं. तूने मुझसे पंगा लेकर ठीक नहीं किया.

उसके बाद उसने दिलावर को कहा- दिलावर, कपड़े उतार इस मादरचोद के ... पूरी नंगी कर दे साली को !

दिलावर ने पांसा पलटते देखा तो अपनी सलवार को फिर से नीचे छोड़ दिया और नंगा ही

आगे बढ़ के, सबसे पहले उसने जास्मिन का दुपट्टा खींचा.

जास्मिन हया द्वारा पीछे से पकड़े होने के कारण और दिलावर के कामुक आवेश के आगे असहाय थी।

उसके बाद वासना के ज्वार ने दिलावर के अंदर के जानवर को जगा दिया.

उसने जास्मिन की कुर्ती के हुक खोलने के बजाए उसको बीच से पकड़ कर दोनों हाथों से खींचा, कुर्ती फटती चली गई।

दिलावर हया के मोटे मोटे स्तनों से तो आए दिन खेलता ही था, आज उसकी आंखों के सामने जास्मिन की नन्ही सी ब्रा के अंदर दो छोटी-छोटी मरमरी मक्खन की ढेरियां उसको पागल किए दे रही थीं।

उसकी इस नये जिस्म को चोदने की लालसा पनपने लगी और इस कारण उसके नरम पड़ रहे लंड में फिर से जान आ गई और वह पहले की तरह अकड़ने लगा।

हया ने जास्मिन के दोनों हाथ एक-एक करके ढीले करे जिससे दिलावर उसकी ब्रा और कुर्ती को उसके बदन से अलग कर सके।

कुछ ही पलों में जास्मिन के बदन का ऊपरी हिस्सा नग्न हो चुका था।

वह हया और दिलावर के सामने अपने को बेबस पा रही थी।

दिलावर के कठोर और ललचाये हुए हाथ जास्मिन के दोनों फूल से छोटे छोटे मुलायम स्तनों को जकड़ चुके थे।

दिलावर को हया के बड़े-बड़े स्तनों से खेलने की तो आदत थी किंतु आज जास्मिन के छोटे-छोटे स्तनों को छूकर वह नएपन का एक अलग ही रोमांच हासिल कर रहा था।

उसको जास्मिन की दोनों निप्पलों को मसल मसल के अद्भुत आनन्द मिल रहा था।

दिलावर की आंखों में दारू और वासना के कारण लाल लाल डोरे उभर आए थे।

सात इंच लंबा और मोटा दिलावर का लंड ऊपर नीचे हिल हिल कर जास्मिन की उभरती हुई मादक जवानी को सलामी दे रहा था।

दिलावर ने फड़फड़ाती जास्मिन के पतले गुलाब की पंखुरियों जैसे होंठों पर जबरन अपने मोटे मोटे होंठ रख दिए और उनका रस चूसने लगा।

जास्मिन अपनी गर्दन को हिलाने की नाकाम कोशिश कर रही थी किंतु दिलावर ने दोनों हाथों से उसके चेहरे को कस के पकड़ रखा था।

जी भर के जास्मिन के होंठों का रस चूसने के बाद दिलावर ने अब उसके दोनों उरोजों को दबाते हुए उसकी नाज़ुक नाज़ुक निप्पलों पर अपने होंठ टिका दिए।

जास्मिन अपने आप पर नियंत्रण पाने की बहुत कोशिश कर रही थी किंतु कामवासना का अपना अलग संसार होता है, अपने नियम कायदे होते हैं।

हया के चंगुल में फंसे होने के बावजूद उसके शरीर में काम लहरें उठना शुरू हो गई थीं।

कई सालों बाद दिलावर के सामने ऐसा खिलता हुआ हुस्न आया था।

बहुत देर तक दिलावर जास्मिन के स्तनों को चूसता रहा।

जास्मिन की दमित वासना भी आखिर अब पिघलने लगी।

उसके बाद दिलावर ने जास्मिन के सलवार का नाड़ा खींचा।

जास्मिन पशोपेश में थी, उसका जिस्म आनन्द उठाना चाह रहा था लेकिन दिमाग उस को ऐसा करने से रोकने की असफल कोशिश कर रहा था।

वह जोर जोर से पैर पटकने लगी।

पर दिलावर ने उसकी सलवार खींच के उतार दी।

अब जास्मिन केवल पैंटी में उसके सामने थी जिसमें से उसकी चिकनी कुंवारी चूत दमक रही थी।

दिलावर काली पैंटी से बाहर निकली उसकी दूधिया चिकनी जांघों एवं कोमल कोमल पिंडलियों को एकटक निहार रहा था।

उसकी जांघों के जोड़ से उठती हुई नशीली महक के कारण दिलावर के होंठों में गुदगुदी सी होने लगी।

जास्मिन की पैंटी चूत के स्थान पर रिसते हुए चूतरस के कारण गीली हो चुकी थी। उसे ऐसा लगा जैसे चूत रस में भीगी हुई पैंटी उसको दावत दे रही है कि आ जा दिलावर, इस नशीले रस का मजा ले ले।

उसके होंठ जास्मिन की चूत का रस चखने के लिए मचलने लगे। उसने दोनों हाथों से उसकी पैंटी को पकड़ा और खींचने लगा।

जैसे ही जास्मिन की चूत दिखाई दी, दिलावर, अपना भारी भरकम, गद्देदार मोटा हाथ जास्मिन की चूत पर रखकर उसकी गर्मी का आनन्द लेने लगा।

उसके बाद में उसने जास्मिन की चूत को हथेली से रगड़ा, उसकी चूत से नशीली महक और तेज़ी से उठने लगी।

दिलावर ने उसकी पैंटी को उतार फेंका।

जास्मिन अब सिर से पैर तक पूरी तरह नंगी हो चुकी थी।

उसका शरीर मारे वासना और शर्म के कांप रहा था। उसकी आंखों में वासना थी।

जास्मिन का अनछुआ, बेदाग हुस्न देखकर उसकी तो नीयत खराब होने लगी ।

हया ने दिलावर के इरादों को भांप लिया कि अब वह जास्मिन की चुदाई करके उसकी सील तोड़ना चाहता है.

तो उसने दिलावर को कहा- तेरी नई सील पैक चूत चोदने की इच्छा थी न ?
दिलावर ने हां में सिर हिलाया ।

हया ने तैश में कहा- तो आज चोद डाल इसकी गर्म चूत को, लूट ले आज इसका कुआंरापन, घुसेड़ दे अपना लंड इसकी बुर में और फाड़ दे साली की चूत ! बड़ी आई भाईजान से कहने वाली !

जास्मिन लगातार हया की पकड़ से आजाद होने की कोशिश कर रही थी ।
वह बार बार हया को कह रही थी- छोड़ दे मुझे चुड़ैल, छोड़ दे !

हया उसकी बेबसी पर हंसने लगी, बोली- मैं चुड़ैल नहीं चुदेल हूं चुदेल ! चुड़ैल मर्द का खून पीती है, मैं मर्द के लंड से वीर्य निचोड़ती हूं ।

जास्मिन सेक्स का मजा लूटना चाहती थी पर वह हया की पकड़ से छुटना चाहती थी.
वह छटपटाती रही पर हया के मन में तो रहम पैदा होने का सवाल ही नहीं था और दिलावर के मन में जिस को चोदने की एक लम्बे समय से ख्वाहिश थी.

उसकी वही मनपसंद बिनचुदी चूत आज उसके सामने थी ।

इसलिए हया की तरफ से उसको चोदने की हरी झंडी मिलने के बाद वह भी क्यों रहम करता ?

आखिर उसकी एक अरसे पुरानी हसरत आज मुकम्मल होने जा रही थी ।

दिलावर हमेशा किसी भी औरत को चोदने के पहले अपने होंठों को उस औरत की चूत के रस की दावत देता था ।

हालांकि अभी अभी उसने हया की चूत का रस निचोड़ा था.

पर कहां हया की ढेरों लौड़ों की रगड़ खा के काली पड़ी चूत ... और कहां गोरी गोरी मुलायम चूत के नाज़ुक, गुलाबी, रसीले होंठ !

उसके सामने ऐसी कमसिन, कमनीय, रसभरी, चिकनी, कुआरी नई नवेली चूत थी, उसका स्वाद लेने से वह कैसे अपने आप को रोकता ?

वह आगे बढ़ा, उसने पैर पटकती जास्मिन के पैरों को मोड़ के ऊपर की ओर किया. हया मजबूती से उसको थामे हुए थी ।

उसकी चूत थोड़ी खुल के जैसे उसे ललचा रही थी ।

उसने जास्मिन की रसीली चूत में मुंह दे दिया और लप-लप करके उसकी चूत से रिस रहे रस को चाटने लगा ।

जास्मिन हया और दिलावर से तो लड़ सकती थी लेकिन कुदरत से कैसे लड़ती ?

दिलावर के द्वारा चूत चाटने के कारण उसकी कामोत्तेजित चूत और अधिक पानी छोड़ने लगी ।

और दिलावर के मुंह से उड़ रही किवाम की खुशबू के साथ में चूत की खुशबू मिल कर दिलावर को मदहोश करने लगी ।

वह दीवानों की तरह जास्मिन की चूत का रस सुड़कने लगा ।

उसकी जुबान जास्मिन की चूत में जितना अंदर जा सकती थी, वह कामरस के लिए उसे

पहुंचा रहा था।

जास्मिन अभी भी वासना में चिल्ला रही थी.

हया ने कहा अब तो मैं तेरी चूत की सील तुड़वा कर ही, तुझे छोड़ूंगी कमीनी। बहुत दिलेरी थी न तुझमें? जो अपनी भाभी की शिकायत करने चली थी भाई से, आज तेरी सारी हेकड़ी निकाल दूंगी, हरामजादी!

दिलावर की जुबान लगातार जास्मिन की चूत के हर हिस्से में हलचल मचा रही थी, कुछ ही देर तक जास्मिन, चूत की सनसनी को अपने ऊपर हावी होने से रोक सकी।

अब उसके मुंह से सिसकारियां निकलने लगीं.

हया बोली- अब तो दिलावर को यह बोल कि चोद दो, मुझे चोद दो, उसी में तेरी बेहतरी है।

जब दिलावर की चूत चूसने में माहिर जुबान ने जास्मिन के भगांकुर को छेड़ा तो उसके बदन में कामवासना की लहरें लगातार उठ उठ के उसको पागल करने लगीं।

जब दिलावर ने देखा कि जास्मिन का चरम नज़दीक है तो वह भग के अनारदाने को अपने होंठों में जकड़ के जोरों से चूसने लगा।

ऐसा करने से जास्मिन की उत्तेजना इतनी अधिक बढ़ गई कि वह चूत चुषण से उठे उन्माद का आनन्द लेने लगी।

फिर एक पल ऐसा आया जब उसकी चूत में उत्तेजना की सुनामी आ गई।

उसका बदन अकड़ के पलंग से ऊपर उठ गया, उसकी चूत जोर जोर से झड़ने लगी, चूत से नशीला रस बह निकला।

उस रस के एक एक कतरे को दिलावर ने अपने मुंह में समेट के निगल लिया।

जास्मिन के ऊपर उठे बदन के साथ केवल उसकी धौंकनी की तरह चल रही सांसों की आवाज आ रही थी।

चुड़ककड़ हया को समझते देर नहीं लगी कि जास्मिन का शरीर ऑर्गेज्म के कारण अकड़ रहा है।

हया ने जास्मिन को पीछे से मजबूती से पकड़ा हुआ था, उसने दिलावर को बोला- अब लंड डाल दे, इस कमीनी की चूत में और तोड़ दे इसकी सील के साथ इसका गुरुर!

एक बार झड़ने के बाद जास्मिन के कस बल भी ढीले पड़ चुके थे.

दिलावर उठा और उसने अपने लंड पर थूक लगाया और जास्मिन की चूत में रखकर एक जोर का झटका दिया।

हॉट वर्जिन चूत की चुदाई शुरू होते ही के मुंह से पीड़ा भरी एक चीख निकली.

इतना तो साफ था कि दिलावर के लंड ने जास्मिन की कसी हुई चूत को चीरते हुए उसकी चूत में स्थित कौमार्य झिल्ली को भेद दिया था।

दिलावर ने एक करारा झटका और दिया, उसका पूरा लंड जास्मिन की संकरी चूत में समा चुका था।

उसके मुंह से जोर से एक और चीख निकली.

वह कातर स्वर में बोली- भाभी. यह तूने क्या करवा दिया रंडी, मेरी इतने सालों से संभाली हुई कुदरती अमानत को लुटवा दिया।

दिलावर जास्मिन के कुंआरेपन पर फतह पा कर जोश से लबरेज़ था.

उसने अधखिली कली जैसी जास्मिन के मुलायम स्तनों को दबोच के उन्हें मसलते हुए,

चूसते हुए, उसकी कमसिन जवानी को रौंदना जारी रखा।

एक जवां मर्द के लिए नई चूत का तो वैसे भी अपना एक मजा होता है।
उस पर वह नई चूत यदि सील पैक हॉट वर्जिन चूत भी हो तो उस मजे की तो कोई इंतेहा
ही नहीं होती।

हया ने अब जास्मिन को उसके हाल पर छोड़ दिया।
वह दिलावर के नीचे दबी हुई ऐसी लग रही थी जैसे किसी बाघ ने किसी मेमने को अपने
चंगुल में जकड़ रखा हो।

दिलावर का मोटा लंड जास्मिन की चूत को लगातार रगड़ रहा था।

जास्मिन की पहली चुदाई की पीड़ा मंद होती हुई अब धीरे धीरे आनन्द में तब्दील हो रही
थी।

थोड़ी देर में जास्मिन की शिकायत बंद हो गई, दिलावर के लगातार रगड़े उसकी मस्ती को
बढ़ा रहे थे।

उसकी भीषण चुदाई से जास्मिन की चूत में एक के बाद एक लगातार और जबरदस्त
ऑर्गेज्म उठ रहे थे।

जास्मिन ने चादर पकड़ रखी थी और उसका शरीर असीम ऑर्गेज्म के कारण बार बार पलंग
से ऊपर उठ रहा था।

उसकी चूत फड़क फड़क के थक चुकी थी।

दिलावर रुक रुक के और जम के जास्मिन की चुदाई का आनन्द ले रहा था।

जास्मिन के दिमाग पर अब उस का जिस्म हावी होने लगा।

वह चुदाई का मज़ा लेते हुए बोली- अब बस कर न कुत्ते, कितना रगड़ेगा ?
पर अब जास्मिन का लहज़ा बदल चुका था ।

दिलावर ने जास्मिन के बदले हुए लहजे से मस्ती में आ कर रगड़े एकाएक तेज़ कर दिए
और कुछ ही पलों में जास्मिन की चूत, हया के आशिक दिलावर के गर्म, गाढ़े, महकते हुए
वीर्य से भरने लगी ।

जास्मिन ने अपनी जिंदगी का पहला जबरदस्त, एकाधिक बार वाला ऑर्गेज्म ले लिया था
और चादर पर उसकी चूत से निकला खून, चूत रस और दिलावर का वीर्य मिल कर उसके
कुंवारे होने के सबूत जगह जगह टपक रहे थे ।

अब जास्मिन को कली से फूल बना के, उसकी चूत में वीर्य निचोड़ने के बाद दिलावर का
भारी भरकम शरीर, पसीने में लथपथ, जास्मिन के ऊपर पड़ा हुआ, अपनी सांसों को
संभालने में लगा हुआ था ।

जब अच्छी तरह से चुद जाने और झरने जैसी झड़ जाने के बाद, जास्मिन को उसके वजन
का अहसास हुआ तो उसने कहा- अब तो मेरे ऊपर से हट जा गेंडे !

हया देख रही थी कि जास्मिन की आवाज में अब गुस्सा या आक्रोश नदारद था क्योंकि
उसने एक सुकून भरी वहशी शैली में की गई पहली चुदाई का भरपूर आनन्द लिया था ।

हया ने भी मुस्कुरा के जास्मिन से पूछा- अब बता भोसड़ी वाली, बोलेंगी अपने भाई को ?
जास्मिन झेंपती हुई बोली- अपने यार से तुमने मेरी चूत फड़वा के मुझे इस लायक छोड़ा
है क्या कुतिया ? मैं चाहती थी कि निकाह के बाद मेरा शौहर अपने लंड से मेरी सील को
तोड़ने का हक हासिल करे. मैंने कभी सोचा भी नहीं था कि कभी कोई तुम्हारा यार इस तरह
मेरी सील तोड़ेगा और उसमें भी मुझे दर्द कम मिलेगा और आनन्द अधिक । अब तो यह

जब कभी भी तुम को चोदने आएगा, तुम्हारे साथ मैं भी इस के मजबूत लंड से चुदवा कर चुदाई के मजे लूंगी, नहीं तो ... भाईजान से बोल दूंगी।

हया और दिलावर दोनों जास्मिन की इस बात पर हंस पड़े।

उसके बाद हया बोली- अब अपनी चूत में लंड लेकर तुझे पता चला न कि औरत के जिस्म की आग और उसकी चुदाई की तलब क्या होती है ? और मैं क्यों बिना लंड के, बिना चुदाई के रह नहीं पाती ? तू खामखां उफन रही थी यार !

जास्मिन बोली- उफनूंगी नहीं ? तू अकेली जिंदगी के मजे लूट रही थी और मैं तेरे कमरे से आती हुई, मस्ती भरी आवाजों के कारण, वासना की आग में रोज रोज जल रही थी, बिना लंड के तड़प रही थी।

उसके बाद जास्मिन नंगी ही उठ के वाशरूम में गई.

अब किसी से भी शर्मोहया की कोई वजह भी तो नहीं बची थी।

उसके जाते ही दिलावर और हया ने गर्मजोशी से हाथ मिलाया।

दिलावर बोला- तूने गजब दिमाग दौड़ाया और फुर्ती से जास्मिन को पकड़ लिया. वरना आज के बाद तेरी चुदाई पर ब्रेक लग जाता।

हया बोली- और तूने भी साले उसकी चुदाई इतनी मस्त करी कि अब तो वह भी मेरी तरह, तेरे लंड पर फिदा हो गई है।

तेरे लिए तो एक और गर्म तथा नई चूत तैयार हो गई चुदने को ... जैसे एक के साथ एक प्री।

मेरे रसिक पाठको, मुझे पूरा विश्वास है कि आप लोगों को हॉट वर्जिन चूत की चुदाई कहानी से आनन्द मिल रहा होगा।

अपनी बेशकीमती राय एवं सलाह जरूर दें।

मेरी आईडी है

madhuri3987@yahoo.com

हॉट वर्जिन चूत की चुदाई कहानी का अगला भाग : [आज मैं जवान हो गई हूँ- 3](#)

Other stories you may be interested in

पड़ोस के लड़के के लंड का मजा

Www इंडियन सेक्स कॉम कहानी में पढ़ें कि कैसे मैं अपने पड़ोस वाले घर में रहने वाला लड़का अकेला था तो उसने मुझे चुदाई के लिए बुला लिया. मैं अक्सर उसके लंड का मजा लेती थी. नमस्कार दोस्तो, मैं रोमा [...]

[Full Story >>>](#)

कुंवारी बुर की सील कार में तोड़ी- 2

गन्दी लड़की की गंदी बात से उसका ड्राइवर समझ गया कि कडकी की जवानी उछालें मार रही है. उसने मौके को समझा और अपनी मालकिन के कहे अनुसार करने लगा. कहानी के पहले भाग गर्म लड़की ने अपने ड्राइवर को [...]

[Full Story >>>](#)

आज मैं जवान हो गई हूं- 3

न्यू गांड हॉट सेक्स कहानी में एक भाभी के अपनी कुंवारी ननद को अपने यार से चुदवा दिया. चूत के बाद अब उसका आशिक ननद की गांड मारने की जिद करने लगा. कहानी के दूसरे भाग बांके मर्द ने तोड़ी [...]

[Full Story >>>](#)

कुंवारी बुर की सील कार में तोड़ी- 1

इंडियन वर्जिन टीन गर्ल बहुत अमीर घर की थी. जवान होते ही उसे सेक्स की तलब लगने लगी और वह अब अनी बुर की सील तुड़वाना चाहती थी. इसके लिए उसने अपने ड्राइवर को चुना. दोस्तो, मेरी पिछली कहानी थी : [...]

[Full Story >>>](#)

पोर्न मूवी का पहला काम

पोर्न एक्ट्रेस फक स्टोरी में एक होटल मेनेजर को ब्लू फिल्मों में काम करने वाली एक लड़की की चूत चुदाई करने का मौका मिला. वह लड़की होटल में ब्लू फिल्म बनाने ही आई थी. दोस्तो, मेरा नाम प्रेम है और [...]

[Full Story >>>](#)

